हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 25 फरवरी 2025

12 पीएम ने डीबीटी के जरिए जिले के 92714 किसानों...

12 डीएमसी के आदेशों का असर धीमा, अतिक्रमण...

खबर संक्षेप

आईटीआई में कैंपस इंटरव्यू आज

महेंद्रगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार को कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में निप्पॉन स्टील पाइप इंडिया लिमिटेड कंपनी भाग ले रही है, जो जापानी जोन नीमराना (राज.) से संबंधित है। इस कैंपस ड्राइव में आईटीआई की सभी टेक्निकल ट्रेड्स के पास शुदा अभ्यर्थियों का ट्रेनी आपरेटर के रूप में चयन किया जाएगा। संस्थान के जीआई इंचार्ज संदीप यादव ने संस्थान की सभी टेक्निकल ट्रेड्स के पास शुदा बेरोजगार अभ्यर्थियों को इस कैंपस ड्राइव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

कनीना मंडी में दुकान का ताला तोड़कर चोरी

कनीना। कनीना मंडी स्थित एक आढ़त की दुकान में दबिश देकर अज्ञात चोरों ने दो हजार रुपये की नकदी सहित दो लैपटॉप व एक बाइक चोरी कर ली। इस बारे में मंडी निवासी आढ़ती सुभाष चंद ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने कनीना की पुरानी आनाज मंडी में आढ़त की दुकान कर रखी है। रोजमर्रा की भांति वह 22 फरवरी को अपनी दुकान बंद कर दुकान के ऊपर बने मकान में सोया था।

शहर पुलिस ने 74 ग्राम गांजा किया बरामद

महेंद्रगढ़। थाना शहर पुलिस टीम ने अवैध नशीला पदार्थ गांजा सहित एक आरोपित निखिल वासी मोहल्ला सैनीपुरा को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 74 ग्राम गांजा बरामद किया। आरोपित के खिलाफ थाना शहर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना शहर पुलिस गश्त के दौरान अनाज मंडी के नजदीक मौजूद थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि निखिल वासी मोहल्ला सैनीपुरा नशीला पदार्थ गांजा लिए हुए राव तुलाराम चौक के पास है।

एडीसी ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं

नारनौल। सरकार के निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। एडीसी ने कहा कि हर रोज समाधान शिविरों में आ रही जन समस्याओं की समीक्षा की जाती है। समाधान पोर्टल पर जो भी समस्याएं अपलोड की जाती है उनको निर्धारित समय में दूर करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि हर रोज सुबह 10 से 12 बजे तक सभी उपमंडल तथा जिला स्तर पर नारनौल में समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। कोई भी नागरिक इन समाधान शिविरों में आकर अपनी समस्याएं व शिकायत रख सकता है। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी रूकावट के सीधे जनता तक पहुंचे। अधिकारी हर योजना के बारे में नागरिकों को अच्छी तरह से समझा रहे हैं तथा जिन नागरिकों के कागजात अधूरे रह जाते हैं, उनके कागजात भी मौके पर पूरे करने के प्रयास किए जाते हैं।

केंद्र व प्रदेश सरकार के नियमों से फंसा पेंच

केंद्र व राज्य के नियमों के बीच उलझ 30 साल पुराना नशा मुक्ति केंद्र का लाइसेंस रद्द, चार माह से मरीज बाहर उपचार करवाने को मजबूर

मनोचिकित्सक की सैलरी महज 20 हजार, नियुक्ति नहीं होने का हवाला दें 10 अक्टूबर 2024 को केंद्र का लाइसेंस किया रद्द, रोजाना मरीजों को लौटा रहे कर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतीश सैनी

साल 1995 से चल रहा नशा मुक्ति केंद्र राज्य व केंद्र सरकार के नियमों में उलझ गया है। जब इसके लाइसेंस रिन्यू करने की बात आई तो केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार के अलग अलग नियमों से पेंच फंस गया। इन कारणों का हवाला दे जिला प्रशासन ने समाधान करने की बजाय 10 अक्टूबर 2024 को नशा मुक्ति केंद्र का लाइसेंस रद्द कर दिया। इस बात को अब चार माह से अधिक समय से यह बंद है। कर्मचारी रोजाना ड्यूटी देते है मगर मजबूर वहां आने वाले रोजाना चार से पांच मरीजों को भर्ती नहीं कर पाते। इसका खामियाजा उस अभिभावकों को भुगतना पड़ रहा है जो 'अपनों' को नशे से दूर करने के लिए यहां लेकर आ रहे है। उन्हें मायूस वापस लौटना पड़ रहा है और मजबूरन महंगा इलाज करवाना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की जिला शाखा द्वारा नशा मुक्ति केंद्र शहर में निजामपुर रोड पर गैटवैल हॉस्पिटल के पीछे एक निजी भवन में स्थापित है। शहर में यह नशा मुक्ति केंद्र साल 1995 से चल रहा है। इसे संचालित करने के लिए भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय 90 फीसदी व प्रदेश सरकार की हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद 10 फीसदी राशि देती है। भारत सरकार के नियमों के अनुसार नशा मुक्ति केंद्र में 15 का स्टाफ होता है। इनमें एक प्रोजेक्ट डायरेक्टर, दो काउंसलर, दो स्टाफ नर्स, दो वार्ड ब्वायज, एक मेडिकल ऑफिसर, एक लेखाकार, दो सिक्योरिटी कर्मी, एक कूक, एक योगा टीचर, एक पीयर एजुकेटर व एक स्वीपर का पद होता है। नारनौल के इस केंद्र की बात करें तो यहां पर शराब, स्मैक, भांग, गांजा, चरस, अफीम, इंजेक्शन व नशीली दवाइयों के आदि व्यक्ति को दाखिल करके निशुल्क इलाज किया जाता है।

नारनौल। निजामपुर रोड पर जनस्वास्थ्य कार्यालय के पास स्थापित नशा मुक्ति केंद्र भवन। फोटो :हरिभूमि

मनोचिकित्सक पद व सैलरी पर मामला उलझा रद्द किया लाइसेंस

नशा मुक्ति केंद्र का हर तीन साल में लाइसेंस रिन्यू होता है। इसमें जिला प्रशासन की टीम अपनी रिपोर्ट बनाकर भेजती है, उस आधार पर प्रदेश व केंद्र सरकार लाइसेंस रिन्यू करती है। हालांकि इस केंद्र का लाइसेंस 25 जुलाई 2025 तक है लेकिन जिला प्रशासन ने अक्टूबर 2024 में केंद्र व राज्य सरकार के नियमों में इस नशा मुक्ति केंद्र को उलझा दिया। सूत्र बताते है कि हरियाणा नशा मुक्ति नियम 2010 में बना। आठ साल बाद 2018 में इसमें कुछ बदलाव किए गए और वह जून 2021 में लागू हुआ। केंद्र व प्रदेश सरकार के दोनों सांझा नियमों में यह उलझ गया। प्रदेश सरकार के नियम कहते है कि मनोचिकित्सक होना चाहिए और उसकी 20 हजार सैलरी हो। धरातल की बात करें तो कोई भी मनोचिकित्सक 20 हजार की सैलरी में काम करने को तैयार नहीं होता। धरातल पर जाने की बजाय समाधान की राह चले बिना इस प्वाइंट सहित हवाला देते हुए 10 अक्टूबर 2024 को लाइसेंस रद्द कर दिया गया। इसके बाद हायर अथॉरिटी में अपील डाली गई। केंद्र से जुड़े कर्मियों को चार फरवरी को बुलाया गया। अपील में कहा कि जिला नशा मुक्ति कमेटी से बात करें। अभी मामला सुलह की ओर फाइलों में अटका पड़ा है। सूत्र बताते है कि जून 2024 से अब तक यहां कार्यरत नौ कर्मचारियों को वेतन तक नहीं मिला है।

क्या कहते है परियोजना निदेशक

नशा मुक्ति केंद्र से परियोजना निदेशक रोहतास सिंह रंगा ने बताया कि कुछ आफिसिली दिक्कत थी। उन्हें दूर कर लिया गया है। हमने स्वास्थ्य विभाग के नागरिक अस्पताल से मनोचिकित्सक की सप्ताह में एक दिन विजिट की मंजूरी भी ले ली है। जिला उपायुक्त के मार्गदर्शन में पूरे प्रयास किए जा रहे है। उम्मीद है कि जल्द ही लाइसेंस मिल जाएगा और पहले की तरह नशा मुक्ति केंद्र संचालित होगा। हमारा प्रयास है कि जिला में नशे से हर जनमानस को दूर करें।

दो लाइनों की बजाए ठेकेदार ने एकतरफ तो बना दी पूरी सड़क, लेकिन दूसरी साइड का रुका हुआ है निर्माण

भुगतान नहीं होने पर नारनौल-धौलेड़ा रोड का ठेकेदार ने रोका काम, लोग परेशान

नारनौल से धौलेड़ा तक करीब 15 किलोमीटर के दायरे में बनाई जानी है सात मीटर चौड़ी सीसी सड़क

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

28 नारनौल। धौलेड़ा मार्ग, जो अधूरा पड़ा है। फोटो : हरिभूमि

■ रोजाना हादसा होने का रहता है खतरा, धौलेड़ा-बीगोपुर के लोग अधूरी सड़क के चलते नारनौल आवागमन कर रूट ही बदलने को मजबूर

करीब दस माह पहले शुरू किया गया नारनौल-धौलेड़ा मार्ग का पुनर्निर्माण दस माह बीतने पर भी पूरा नहीं हो पाया है। इसके पीछे दो मुख्य कारण माने जा रहे हैं। एक तो एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण के मद्देनजर प्रशासन द्वारा बार-बार ग्रेप-4 लागू करने और दूसरा ठेका निर्माण कंपनी को अब तक कोई पेमेंट नहीं मिलना है। कारण चाहे जो कुछ भी हो, लेकिन इस रूट पर पड़ने वाले एक दर्जन गांवों के ग्रामीण लंबे समय से भारी परेशान हैं। अधूरी सड़क पर डंपर कब्जा बनाए रखते हैं और इससे हमेशा हादसों का खतरा सिर पर मंडराए रहता है, जिससे इस रूट के ग्रामीणों में पीडब्ल्यूडी विभाग एवं ठेका निर्माण कंपनी के खिलाफ भारी रोष बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि नारनौल-धौलेड़ा रोड पर अनेक सारे क्रेशर जोन बने हुए हैं। इन क्रेशरों से डंपर ओवरलोड मैटीरियल भरकर चलते हैं, जिस कारण पुरानी तारकोल वाली सड़क टूटकर बुरी तरह से बिखर गई थी और उसमें लंबे-चौड़े गड्ढे बन गए थे। इन लंबे-चौड़े गहरे गड्ढों से बचने के लिए अनेक बार डंपर चालक हादसों को अंजाम दे देते थे। इससे ग्रामीण बड़े भारी परेशान थे और उनमें न केवल डंपर चालकों, बल्कि जिला प्रशासन के खिलाफ भारी रोष पनपने लगा और ग्रामीणों ने तब इस सड़क एवं डंपरों के विरोध में अनेक धरने-प्रदर्शन किए, लेकिन किसी के कानों पर जूं तक नहीं रहेगी, जबकि इस रोड पर खतरनाक बने ओवरलोड डंपरों के कारण एक साल में करीब 100-125 इनके हादसों के शिकार होने लगे थे।

25 अक्टूबर से शुरू किया था सड़क उखेड़ना

यह सड़क पुनर्निर्माण के तहत नई बननी है। इसी के चलते धर्मपाल एंड कंपनी ने सड़क का पुनर्निर्माण करने के लिए 25 अक्टूर 2024 को सड़क को जेसीबी से उखेड़ना शुरू किया था, लेकिन तब से लेकर करीब दस महीनों तक काफी कार्य हुआ, लेकिन अब तीन-चार महीनों से सड़क का निर्माण कार्य बंद पड़ा है।

यह कहते हैं अधिकारी:

पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यकारी अभियंता अश्विनी कुमार ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में प्रदूषण के चलते यहां ग्रेप-4 लागू था और निर्माण संबंधित सारे काम बंद कर दिए थे। इसी कारण इस मार्ग का निर्माण भी रोकना पड़ा। इस कारण लेबर कहीं और चली गई। ठेका कंपनी को पेमेंट जल्दी करवा रहे हैं और अब हमारा लक्ष्य इस सड़क का निर्माण जल्दी से जल्दी शुरू करवाना है।

पिता-पुत्र की मौत होने पर जागी थी सरकार

जब यह सड़क बेहद खराब अवस्था थी और ओवरलोड डंपरों से आए दिन हादसे होने लगे थे, तब 2 नवंबर 2023 को गांव खातौली अहीर की सीमा में धौलेड़ा निवास विकास शास्त्री अपने 15 वर्षीय बेटे ऋषभ के साथ नारनौल से अपने गांव जा रहे थे। तब उन्हें सामने से आ रहे डंपर ने रांग साइड में चलते हुए आमने-सामने की टक्कर में बाइक को टक्कर मार दी थी, जिसमें पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस हादसे से ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया था तथा वे डैडबाडी को लेकर धौलेड़ा के बस स्टैंड पर बीच सड़क धरना देकर बैठ गए थे। दो दिन तक किसी ने अन्न नहीं खाया और लगातार दिन-रात सड़क पर भूख हड़ताल चली थी। तब प्रशासन की नींद खुली थी और प्रशासन की तरफ से एसडीएम एवं नांगल चौधरी विधानसभा के तत्कालीन विधायक डा. अभय सिंह यादव ने ग्रामीणों के दर्द को समझा था और सरकार से इस सड़क को बनवाने का आश्वासन दिया था।

पेमेंट नहीं होना परेशानी:

कमाल की बात है कि एकतरफ सरकार जनकल्याण एवं विकास कार्यों के लिए खजाने भरे हुए होने का दावा करती रहती है, वहीं नारनौल-धौलेड़ा सड़क निर्माण पर ठेका कंपनी करोड़ों रुपया अपनी जेब से खर्च कर चुकी है और अब तक कोई पेमेंट नहीं हुई है, जिस कारण ठेका कंपनी का खुद का खजाना खाली हो गया है और अब आगे काम करने में असमर्थ एवं असहाय हो गई। पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ नरेंद्र कुमार ने बताया कि कंपनी काम कर रही थी, लेकिन उसे शुरू से अब तक पेमेंट नहीं हो पाई। इस कारण कंपनी काम रोकने का मजबूर हो गई।

ग्रामीणों में रोष

खातौली अहीर के सरपंच विक्रम फौजी, खातौली जाट के सरपंच विकास यादव उर्फ जीतू, जिलेसिंह नंबरदार, धौलेड़ा के सरपंच देवेंद्र, पूर्व सरपंच सुनील, पूर्व सरपंच जगमाल सिंह, पूर्व सरपंच रामनिवास आर्य, नवीन, खातौली जाट निवासी तेजपाल यादव, अजय यादव एवं धौलेड़ा निवासी मास्टर भूपसिंह यादव आदि ने बताया कि यह सड़क क्षेत्र का बड़ा मुद्दा रही है। इस मार्ग पर क्रेशरों पर आने जाने वाले डंपर ओवरलोड होकर चलते हैं, जो हादसों को अंजाम देते हैं। अनेक लोगों की जिंदगी यह लील चुके हैं। जब सड़क बनानी शुरू की, तब कुछ उम्मीद जगी थी, लेकिन अब यह कई महीनों से अधूरी पड़ी है। जो गले का फांस बन गई है।

दो साल पहले की थी सड़क मंजूर

इस सड़क मार्ग की मंजूरी पूर्व विधायक डा. अभयसिंह यादव की सिफारिश पर तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट्टर ने करीब साल पहले दी थी। खट्टर सरकार ने तब इस लगभग 15 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए करीब 26 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। इस बार सड़क तारकोल की काली सड़क की बजाए सीमेंट वाली सीसी सड़क बनाना मंजूर किया गया। इस मंजूरी से सड़क बनने पर ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी थी, लेकिन सड़क आज भी आधी-अधूरी है और ग्रामीण पहले से भी ज्यादा हैरान-परेशान हैं और वह अपने गांव से शहर आने-जाने के लिए रूट बदलने का मजबूर हो रहे हैं।

अतिक्रमण हटाने को लेकर की शिकायत

नारनौल। नीरपुर निवासी असीम राव ने अग्रसेन कॉलोनी में रास्ते पर आठ फीट का रैंप बनाकर किए गए अतिक्रमण को हटवाने के लिए प्रशासन से शिकायत की है। ई मेल के माध्यम से की गई शिकायत में असीम राव ने कहा कि इससे पहले आठ फरवरी को भी शिकायत की गई थी, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में यह समझा जा रहा है कि यह अतिक्रमण नगर परिषद प्रशासन व जिला प्रशासन की सहमति से किया गया है। अगर ऐसा नहीं है तो इस पर उचित कार्रवाई करवाएं। शिकायत में उन्होंने लिखा है कि रेलवे रोड पर स्थित अग्रसेन कॉलोनी गली नम्बर एक में आम रास्ते पर लगभग आठ फुट का रैंप बनाकर अतिक्रमण किया जा रहा है, लेकिन शिकायत करने के बाद भी प्रशासन इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

कार की टक्कर से नीलगाय की मौत

कनीना। कनीना महेंद्रगढ सड़क मार्ग पर रविवार रात गुढ़ा बूचावास के मध्य एक फिलिंग स्टेशन के समीप एक कार की नीलगाय से टक्कर हो गई। इस हादसे में नीलगाय की मौत हो गई। वहीं कार में सवार नामालुम व्यक्तियों को भी चौटें आई बताई जा रही है। यह कार महेंद्रगढ़ से कनीना की ओर जा रही थी। हादसे के बाद कार का फ्रंट शीश टूटने के साथ क्षतिग्रस्त हो गई। क्षतिग्रस्त कार को मौके पर छोड़कर राहगीरों ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में दाखिल कराया।

अटेली व कनीना नपा चुनाव: सेकेंड रेंडमाइजेशन से पोलिंग पार्टियों की ड्यूटी तय, दिए जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आगामी दो मार्च को अटेली तथा कनीना नगर पालिका में होने वाले चुनाव के लिए सोमवार को सामान्य पर्यवेक्षक योगेश कुमार की अध्यक्षता में एनआईसी की ओर से तैयार ईडीएमएस ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के जरिए पोलिंग पार्टियों की ड्यूटी तय करने के लिए सेकंड रेंडमाइजेशन की गई। अटेली नगर पालिका में 12 वार्ड हैं तथा कनीना नगर पालिका में कुल 14 वार्ड हैं। रेंडमाइजेशन के जरिए पोलिंग स्टॉफ को संबंधित नगर पालिका में ड्यूटी तय की गई। अब एक मार्च को पोलिंग पार्टियों को रवाना करते समय इन्हें संबंधित बूथ की जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर कनीना के आरओ जितेंद्र सिंह, अटेली के आरओ रमित यादव, डीआईओ प्रशांत कुमार, सिस्टम एनालिस्ट राजकुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान मौजूद सामान्य पर्यवेक्षक योगेश

नांगल चौधरी का नया फायर स्टेशन शीघ्र होगा चालू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल की ओर से 2015 में नांगल चौधरी जनसभा में की गई घोषणा के अनुसार नांगल चौधरी क्षेत्र के लिए अलग से अग्निशमन केन्द्र की स्थापना अब अंतिम स्टेज पर है। बिल्डिंग का काम पूरा होने के उपरांत स्थानीय स्वशासन विभाग ने इस अग्निशमन केन्द्र को चालू करने के लिए कार्रवाई तेजी से प्रारंभ कर दी है। पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि वह लगातार विभाग के अधिकारियों के संपर्क में है। आगामी गर्मी की ऋतु से पहले इस अग्निशमन केन्द्र को चालू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय सूचना के अनुसार मार्च के प्रथम सप्ताह में यह केंद्र अपना काम विधिवत प्रारंभ कर देगा और इसके लिए स्टाफ व अग्निशमन वाहन विभाग की तरफ से शीघ्र भेजे जा रहे हैं। यह केंद्र प्रारंभ होने उपरांत नांगल चौधरी शहर समेत समस्त क्षेत्र को आगजनी की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए एक बड़ी सुविधा उपलब्ध होगी। विशेषकर रबी की फसल जब खलिहान में आती है, तो प्रायः किसान के खेतों में इस तरह की घटनाएं होती है। नारनौल का अग्निशमन केन्द्र दूर होने के कारण समय पर आग बुझाने के लिए मदद नहीं मिल पाती। उसी असुविधा को देखते हुए क्षेत्र में नए अग्निशमन केन्द्र की स्थापना की मांग तत्कालीन मुख्यमंत्री के समक्ष उठायी गई थी, जो अब साकार रूप ले रही है। डा. अभय सिंह यादव ने हरियाणा सरकार व मुख्यमंत्री हरियाणा तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सुविधा इस क्षेत्र के किसान और आम आदमी को आगजनी से सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नारनौल। फायर स्टेशन।

अटेली अस्पताल में पोस्टमार्टम शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने अटेली मंडी के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम की व्यवस्था शुरू करने की मांग की है। अतरलाल ने सीएम व स्वास्थ्य मंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा है कि अटेली मंडी सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम की सुविधा न होने के कारण पीड़ित परिजन लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जब भी किसी मृत्यु की पोस्टमार्टम करवाने की जरूरत होती है, तो शव को नारनौल नागरिक अस्पताल ले जाना पड़ता है। ऐसे में समय व पैसे की बर्बादी होती है। कई बार समय पर पोस्टमार्टम नहीं हो पाता और अगले दिन का इंतजार करना पड़ता है। पीड़ित परिजनों तथा पुलिस को भी इसके लिए दो दो, तीन तीन बार नारनौल अस्पताल के चक्कर काटने पड़ते हैं। अटेली मंडी अस्पताल के अंतर्गत लगभग 54 गांव, राष्ट्रीय राजमार्ग, अनेक सम्पर्क सड़क मार्ग लगते हैं।

फालॉअप

राज्य में परिवार पहचान से जाति प्रमाण पत्र बनाने की योजना बीते दो वर्ष से लागू है

माता पिता जीवित, आधार और पहचान पत्र होने के बावजूद नहीं बन रहा जाति प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरिभूमि

ऑनलाइन प्रणाली के बाद हरियाणा निवासियों के नहीं बन रहे जाति प्रमाण पत्र

नारनौल। 24 फरवरी को प्रकाशित समाचार।

राज्य में परिवार पहचान से जाति प्रमाण पत्र बनाने की योजना बीते दो वर्ष से लागू है। इससे नागरिकों को सुविधा हुई है क्योंकि नागरिकों को फाइल खरीद कर सरपंच, नम्बरदार और पटवारी से तस्दीक की जरुरत नहीं होती है। इस कानून से समय और पैसे की बर्बादी नहीं होती है। पहले पुरुष को अपनी जाति सर्टिफिकेट बनवाने के लिए सरपंच, नम्बरदार और पटवारी से तस्दीक की जरुरत होती थी। महिला के मामले में ससुराल पक्ष से सरपंच, नम्बरदार, पटवारी और तहसीलदार के साथ मायका के सरपंच, नम्बरदार, पटवारी और तहसीलदार से तस्दीक की जरुरत होती थी, उसके बाद ही जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाता था लेकिन सरकार ने परिवार पहचान पत्र में ही पटवारी की सहायता से जाति सत्यापन कर दिया है। जिससे कानून में सरलता आई है। परिवार पहचान पत्र में नागरिकों की सभी जानकारी शैक्षणिक प्रमाण पत्र ने अनुसार है और माता पिता की जानकारी भी उनके दस्तावेज के अनुसार है लेकिन बहुत से नागरिकों की अपनी जानकारी और माता पिता की जानकारी में असामनता होने की वजह से जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता है। व्यवहारिक तौर पर चली आ रही दस्तावेजों की त्रुटियां संभाव्य नहीं है। जिससे नागरिकों को मिली सुविधा ही कठिनाई बन चुकी है।

पिता के नाम में विभिन्नता: नागरिक रोनित का कहना है कि उसकी शैक्षणिक सर्टिफिकेट में पिता का नाम और उसके पिता के रिकॉर्ड में नाम की थोड़ी सी विभिन्नता है। जिसकी वजह से परिवार पहचान पत्र द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा है। इस वजह से उसे नौकरी फॉर्म और पढ़ाई में आरक्षण नहीं मिल रहा है।

पिछड़े वर्ग के अंतर्गत आने वाली जातियां

पिछड़े वर्ग ए के अंतर्गत बैरागी, स्वामी साध, भरभुजा, भट, लोहार, छीपी, दर्जी, धोबी, डाकुट, कश्यप-राजपूत, ग्वारिया, नाई, खाती, जोगी, कुम्हार, लखेरा, मदारी, सोनी आदि तथा वर्ग बी में अहीर, गुर्जर, सैनी, गोसाई जातियां आती है। इन जातियों से संबंध रखने वाले नागरिकों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शैक्षणिक विवरण के अनुसार ही माता पिता का नाम होना जरुरी किया गया है।

बहन भाई के अभिभावक के नाम में अंतर

भाई के रिकॉर्ड में माता का नाम बनारसी और बहन के रिकॉर्ड में नाम बनारसी देवी है जबकि माता के रिकॉर्ड में बनारसी है। नागरिक अनिल कुमार का कहना है कि इस तरह केवल उसका ही जाति प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। इस तरह उसकी बहन को सरकार द्वारा दिए जा रहे आरक्षण का फायदा नहीं मिल रहा है। उसका कहना है सरकार की ऑफलाइन पॉलिसी ही अच्छी थी।

हरिभूमि
सहेली

नन्हे बच्चों के हाथों में मोबाइल होने से वे बहुत कुछ ऐसा देख-सुन रहे हैं, जिससे उनके मन की सुकोमलता-मासूमियत खत्म हो रही है, बचपना छीज रहा है, वे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। इस तरह बच्चों का स्वाभाविक नैसर्गिक विकास प्रभावित हो रहा है। ऐसे में बच्चों की परवरिश कैसे हो, अभिभावकों को यह समझना बहुत जरूरी है।

गुम होती बचपन की मासूमियत

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

जीवन के सबसे अनमोल पल होते हैं बचपन के। यह जिंदगी का सबसे खूबसूरत और मासूम समय होता है। तभी तो वयस्क होने पर भी हम अपने अंदर के बच्चे को जीवित रखना चाहते हैं, ताकि उसी आनंद का अनुभव कर सकें। लेकिन आज बच्चों का बचपना, उनकी मासूमियत कहीं गुम-सी हो गई है। उनकी सोच और बोल में सयानापन साफ झलकता है।

बदल गया लालन-पालन का तरीका

हर पीढ़ी एक-दूसरे से भिन्न और आगे होती है। एक समय था, जब बड़े-बुजुर्ग छोटे बच्चों को खाना खिलाने के लिए उनके सामने थाली में चावल फैला दिया करते थे। बच्चा अपने तरीके से उसे खाने की कोशिश करता था। थाली के बाहर चावल बिखरे होते थे। वह उन्हें भी चुन-चुन कर खाने का प्रयास करता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। स्मार्टफोन के जमाने में दो से तीन वर्ष के बच्चों के हाथों में भी मोबाइल होता है, जिसे देखते हुए वे

खाना खाते हैं। इतना ही नहीं, खुद माताएं भी स्मार्टफोन में कार्टून या राइम्स लगाकर बच्चों को खाना खिलाती दिखाई दे जाती हैं। फिर चाहे वह घर हो या कोई रेस्तरां। नन्हे-नन्हे नाजुक हाथों में वजनदार मोबाइल फोन अब एक आम बात हो गई है। नतीजा यह हुआ है कि बहुत कम उम्र से बच्चों को मोबाइल फोन देखने की लत लग जाती है। इससे आगे चलकर उनका पूरा व्यक्तित्व प्रभावित होने लगता है।

स्मार्टफोन ने बदला बच्चों का व्यवहार

छह वर्षीय अनिकेत की मां रोशनी को यह समझने में वक्त लगा कि मोबाइल पर वीडियो गेम्स, रील्स आदि की लत के कारण कैसे बेटे का व्यवहार भी क्षण-क्षण बदलता रहता था। जब वह किसी मोबाइल गेम में डूबा रहता था, तो किसी की नहीं सुनता था। पैरेंट्स की हिदायतों को अनसुना करना आम बात हो चुकी थी। परंतु जब वह किसी सामान्य गतिविधि में लिप्त रहता, खेल या ड्राइंग कर रहा होता, तो उसकी बातों और व्यवहार में मासूमियत होती थी। यानी कहीं न कहीं इंटरनेट और सोशल मीडिया से मिलने वाली गैर-जरूरी सूचनाएं, उसके मन-मस्तिष्क पर गहरा असर डाल रही थीं। उसकी बोली में कड़वाहट, गुस्सा और आक्रोश भर रहा था। सहनशक्ति क्या होती है, वह तो उसे मालूम ही नहीं था। रोशनी ने तय किया कि वह बेटे के सामने मोबाइल फोन नहीं देखेगी या कम से कम देखेगी, ताकि उसे कोई गलत संदेश न जाए।

पैरेंट्स को देखकर बनती है आदत

हम सभी जानते हैं कि छोटे बच्चे का मन कच्ची मिट्टी-सा होता है। वे अपने बड़ों और पैरेंट्स को जो भी करते देखते हैं, वैसा ही खुद करने की कोशिश करते हैं। इन दिनों वयस्क किस तरह से मोबाइल फोन की गिरफ्त में हैं, यह सच किसी से छिपा नहीं है। किशोर उम्र बेटे के पिता और फिल्ममेकर अभिजीत सिन्हा कहते हैं, '2010 के आस-पास से बाजार में सस्ते स्मार्टफोन और सेललुर डाटा की उपलब्धता बढ़ती गई। घर-घर में स्मार्टफोन पहुंच गया, बड़ों के साथ बच्चों की दुनिया बदल गई। उनके आपसी रिश्ते बदल गए। संवाद कम हो गया। बच्चे जल्दी

बोर होने लगे और मोबाइल उनका साथी बन गया। ऐसा नहीं है कि उससे पहले बच्चों के पास मनोरंजन के कोई साधन नहीं थे। 80 के दशक में टीवी पर बच्चों को लेकर अनेक शो आते थे, जिनका वे बेसब्री से इंतजार भी करते थे। उन शोज का कंटेंट संस्कार देने वाले और ज्ञानवर्धक होता था। कार्यक्रम बच्चों की उम्र को ध्यान में रख कर तैयार किए जाते थे। उनमें हिंसा, वयस्क थीम की कोई जगह नहीं होती थी। आज इंटरनेट के जमाने में बच्चों के पास हर प्रकार की सामग्री पहुंच जा रही, जो उन पर गलत प्रभाव भी डालती है। वे संवेदनहीन हो रहे हैं।'

शिक्षा जगत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा छीन रहा बचपन

निजी स्कूल में अंग्रेजी की शिक्षिका अनाइवा की माने, तो छोटे बच्चों की मासूमियत गुम होने का एक और प्रमुख कारण है, शिक्षा जगत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा। अंकों का दबाव। पहली-दूसरी कक्षा से ही एक प्रतिस्पर्धा सी शुरू हो जाती है। दूसरे बच्चों से तुलना की जाने लगती है। पैरेंट्स ही अपने बच्चों से सवाल करने लगते हैं कि क्लास के अमुक स्टूडेंट ने इतने अच्छे अंक लाए, तो आप क्यों नहीं ला सकते या सकतीं? बच्चों में परीक्षा का डर कुछ ऐसे भर दिया जाता है कि वह खेलना-कूदना या दोस्तों से मिलना-जुलना सब छोड़ देता है। इससे कम आयु में ही व्यक्तित्व में गंभीरता और सयानापन झलकने लगता है। एग्जाम की थोड़ी भी तैयारी कम हुई या टेस्ट में नंबर कम आएं, तो बच्चे इतने अधिक भावुक हो जाते हैं मानो आगे जीवन में करने को कुछ बचा ही न हो। यह सब अभिभावकों और पीयर ग्रुप के दबाव के कारण ही होता है। इससे उनका कोमल मन आहत होता है और वे कुछ कह भी नहीं पाते। मशहूर शायर निदा फाजली कहा करते थे, 'बच्चों के छोटे हाथों को चांद सितारे छूने दो, चार किताबें पढ़कर ये भी हम जैसे हो जाएंगे।'

बच्चे को दें मन की करने की आजादी

डॉ.आरती आनंद
क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट

21वीं सदी में सब कुछ इतनी जल्दी-जल्दी हो रहा है कि बच्चे खुद ही खुद के अभिभावक बन गए हैं। जो जानकारी अभिभावकों से जाननी चाहिए, वे जानकारी एलेक्सा और सोशल मीडिया से आसानी से मिल जाती है। ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चे को बच्चे ही रहने दें। असमय अनावश्यक अपेक्षाएं न पालें। उन्हें खेलने और अपने मन का करने की आजादी दें। अपनी महत्वाकांक्षाओं को कुछ समय किनारे रख, बच्चों के साथ प्यार से बातें करें, समय व्यतीत करें। आज ये सब नहीं हो पा रहा है। एकल परिवारों के पैरेंट्स के पास समय की कमी होती है। यही बच्चों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है और वे छोटी उम्र में बड़े हो जाते हैं।

पति-पत्नी के बीच तकरार-मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन यह लंबे समय तक खींचे, बड़े विवाद को जन्म देकर अलग-अलग होने के रास्ते बनाने लगे तो बात बड़ी चिंता की हो जाती है। जरूरी है पति-पत्नी आपसी संवाद से बढ़ती दरार को पाटें, सामंजस्य बनाएं और मधुरता का समावेश कर, विवाह संबंध को प्रगाढ़ बनाएं।

बढ़ते तलाक के इस दौर में दांपत्य को कैसे बचाए रखें

मैरिड लाइफ
नम्रता नदीम

अपने दांपत्य को बचाए रखने के लिए मैं क्या कर सकती हूं?' शालिनी ने मैरिज काउंसलर से जानना चाहा। वह पैंतीस साल की है, दो बच्चों की मां है, एक बड़ी और नामी कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। इस लिहाज से आत्मनिर्भर है। लेकिन अपने वैवाहिक भविष्य को लेकर चिंतित है। बदलते समाज की तस्वीर में जो एक बहुत चिंताजनक स्थिति है, वह यह है कि तलाक की दर में उन समुदायों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है, जिनमें विवाह समझौता (कांट्रैक्ट) नहीं बल्कि ऐसा संस्कार है, जो जन्मों तक कायम रहती है यानी धार्मिक दृष्टि से अटूट है। भले ही विधि ने कुछ शर्तों के साथ तलाक की अनुमति दे रखी है। हालांकि शालिनी की उसी व्यक्ति से शादी हुई है, जिससे वह प्यार करती थी, लेकिन संबंध कब नई करवट ले ले, आज के दौर में कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसलिए शालिनी की चिंता को समझा जा सकता है। अच्छी बात यह है कि शालिनी अपनी शादी को बचाए रखना चाहती है, इसके लिए प्रयासरत है।

जरूरी है समस्या पर करें बात

गौरतलब है कि आत्मीय संबंधों में चिंताओं या समस्याओं पर वार्ता करना आज भी अच्छा नहीं समझा जाता है, लोग संकोच करते हैं या कहें उन्हें इस बात का डर रहता है कि कहीं विवाद और न बढ़ जाए। नतीजतन, जो लोग थोड़ी-सी बातचीत से अपने संबंध सुधार सकते हैं, वे जबरन खामोशी के कारण दुखी, परेशान और तनावग्रस्त रहते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब दो व्यक्तियों में आपस में प्यार होता है तो वह बराबरी के पायदान पर होते हैं। ऐसे में दोनों पार्टनर तय कर सकते हैं कि वह किस तरह से एक-दूसरे को देखें-समझें और व्यवहार करें। दोनों ही अपने संबंध को मिलकर सींचते हैं। यह बहुत जरूरी होता है। अनेक संबंध इसलिए खटाई में पड़ जाते हैं कि एक व्यक्ति को उस तरह से समझा या व्यवहार नहीं किया जाता, जिस तरह से वह चाहता है। ऊपर हम जिस शालिनी की बात कर रहे हैं, उसने यह सब कुछ देखा है। कॉलेज के दिनों में उसका एक दोस्त था, जो उसकी परवाह नहीं करता था। लेकिन शालिनी इस संबंध में इतने लंबे समय तक फंसी रही कि अन्य प्यार भरे विकल्पों को उसने तलाश ही नहीं किया।

संबंध बचाए रखने के तीन आसान रास्ते

विवाह या दांपत्य संबंध को बचाए रखने के लिए तीन बहुत ही आसान रास्ते हैं। अकसर नुकसान लापरवाही से होता है बजाय जान-बूझकर की गई क्रूरता से। इसलिए तीन बातों का ध्यान रखें।

जीवनसाथी को उच्च वरीयता प्रदान करें: पहली बात, अपने जीवनसाथी को उच्च वरीयता प्रदान करें। याद करें, आप जब अपनी शादी के शुरुआती दिनों में अपने पति

के फोन में 'फेवर्ड' सूची सबसे पहले देखा करती थीं, आपको एक सुख की अनुभूति होती थी कि ऐसी लिस्ट में आपका नाम सबसे पहला होता था। फोन लिस्ट लगभग बेवकूफी का पैमाना प्रतीत हो सकती है, लेकिन अगर आप दोनों अलग-अलग तरह से एक-दूसरे की वरीयता सूची को टॉप पर नहीं रखेंगे, तो इससे एक प्रकार का असंतुलन दिखेगा जो मधुर संबंध के लिए सही नहीं है।

ध्यान देकर सुनें: दूसरा रास्ता है ध्यान दें। जब एक ही पार्टनर ध्यान दे रहा हो तो क्या अनकही बातों को सुना जा सकता है, नहीं। इसलिए सुनें। तारीफ करने के लिए समय निकालें। इससे दोनों पार्टनर खुश रहते हैं।

एक-दूसरे को स्पेस दें: तीसरा और अंतिम रास्ता है कि एक-दूसरे को स्पेस दें। यह हो सकता है कि पार्टनर अब उतना अधिक चिंतित न होता हो, जितना आपकी शुरुआती मुलाकातों में हुआ करता था। इस नई स्थिति में आपकी प्रतिक्रिया बेचैनी या गुस्से वाली नहीं होनी चाहिए बल्कि हालात में, बातचीत में और समझौतों में भावुकता होनी चाहिए। इसका अर्थ होता है कि आप अपने पार्टनर को अच्छी तरह से समझती हैं। यानी, दांपत्य को प्रगाढ़ बनाने के लिए आप दोनों का साझा प्रयास जरूरी है।

घर पर ही करें पेडीक्योर पैर दिखेंगे सॉफ्ट-अट्रैक्टिव

स्किन केयर
नीलोफर

अपने चेहरे को सुंदर बनाए रखने के लिए तो हम कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार अपनी कोहनियों, घुटनों, पैरों की सुंदरता को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि हमारे ओवरऑल लुक में सिर से पैर तक सभी का महत्व होता है। अगर पैरों की देख-भाल के प्रति जरा भी लापरवाही बरतेंगी तो ये भद्दे, रूखे और अनाकर्षक लगते हैं।

करें प्रॉपर केयर: शरीर के हर अंग की सफाई के साथ-साथ पैरों की त्वचा की देखभाल भी बहुत जरूरी है। पैरों की फटी एड़ियां, गंदे नाखून, जगह-जगह से कटे हुए नाखून पैरों के प्रति हमारी लापरवाही को प्रदर्शित करती है, जिसका हमारे व्यक्तित्व पर बुरा असर होता है। हाथों और पैरों की सुंदरता के लिए सैलून जाकर ज्यादा पैसे खर्च करने की बजाय आप घर पर ही मेनीक्योर और पेडीक्योर कर सकती हैं।

रिमूव करें नेल पॉलिश: पेडीक्योर करने के लिए सबसे पहले नाखूनों को अच्छी तरह काट लें और इन पर लगी हुई नेल पॉलिश को, नेलपॉलिश रिमूवर से साफ कर लें। इसके बाद इस पर फुट क्रीम लगाएं।

मसाज: पैरों की साफ-सफाई के बाद उसकी त्वचा को चमकीला बनाने के लिए मॉयश्चराइजर लेकर पैरों पर हल्की मसाज करें। इसके लिए आप इलेक्ट्रिक फुट मसाजर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। पैरों की मसाज के बाद इसकी चिकनाहट को किसी कॉटन से साफ कर लें।

डेड स्किन हटाएं: नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद पैरों को पानी में भिगोएं। गुनगुने पानी में थोड़ा सा नमक डालकर उसमें थोड़ा शैंपू मिलाएं और कम से कम 10 मिनट पैरों को उसमें भिगोएं। ऐसा करने से नाखूनों के आस-पास की त्वचा नरम हो जाती है। अब पैरों को बाहर निकालकर पोंछ लें और इन्हें अच्छी तरह रगड़कर साफ करें। इससे डेड स्किन निकल जाती है।

नेल्स ट्रिमिंग: अपने नेल्स को अगर आप लंबे रखना चाहती हैं तो उनकी अच्छे से ट्रिमिंग करें। फुट फाइलर की मदद से नाखूनों के किनारों को साफ करें और प्यूमिक स्टोन से अपनी एड़ियों को रगड़कर साफ करें, जिससे डेड स्किन की सफाई हो सके।

नेल पॉलिश लगाएं: पेडीक्योर करने के बाद नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने से पहले एक बेस कोट लगाएं। इसके सूखने के बाद अपनी मनपसंद कलर की नेल पॉलिश लगाएं। जब पहला कोट सूख जाए, तब दूसरा कोट लगाएं। जब दूसरा कोट सूख जाए, उसके बाद नेल पॉलिश को कवरेज देने के लिए एक हल्का कोट लगाएं और इसे भी अच्छी तरह सूखने दें।

आजकल लोग घूमने के लिए एकसाथ ग्रुप टूर पर भी निकलते हैं। इस तरह की जर्नी के पीछे यही उद्देश्य होता है, रुटीन बिजी लाइफ से अलग थोड़ा एंज्वॉयमेंट हो जाए, एक ताजगी महसूस हो। आपका ग्रुप टूर सुहाना रहे, यादगार बने, इसके लिए जरूरी है आप कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

ग्रुप टूर के दौरान याद रखें कुछ एटिकेट्स

सजेशन
पूर्ति खरे

यात्राएं हमें नए अनुभव, ज्ञान और आनंद प्रदान कराती हैं। चूंकि यात्राएं हमें तरोताजा कर देती हैं, रोजमर्रा के कामों से बोर हो रही जिंदगी में उत्साह-उमंग पैदा करती हैं, इसलिए समय-समय पर हमें यात्राएं करते रहना चाहिए, चाहे परिवार के साथ या परिचितों के साथ ग्रुप में। लेकिन किसी भी तरह की यात्रा के दौरान खासतौर से ग्रुप टूर में हमें कुछ एटिकेट्स यानी शिष्टाचार का पालन जरूर करना चाहिए। यदि हम सफर के दौरान नीचे बताए गए कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो हम अपना ही नहीं, अपने साथी यात्रियों का सफर भी सुहाना बना देंगे। यदि आप भी अपने रिश्तेदारों, पड़ोसियों या दोस्तों के साथ टूर की तैयारी कर रही हैं तो इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें-

घर जैसा व्यवहार न करें: जब हम ग्रुप में लंबी जर्नी कर रहे होते हैं, तो जगह-जगह होटल, धर्मशाला या लॉज में रुकते हैं। याद रखें, साथ रुकने वाले लोग आपके घर के सदस्य नहीं हैं, इसलिए इनके साथ एकदम घर जैसा व्यवहार करने से बचना चाहिए। हमें दूसरों के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना चाहिए। सामान्य शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। दूसरों के साथ कमरा साझा करने से पहले उनकी अनुमति जरूर ले लेनी चाहिए।

साफ-सफाई का ख्याल रखें: ग्रुप टूर के दौरान हमें अपने आस-पास की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए। हमें कूड़ा-कचरा सही जगह पर फेंकना चाहिए, दूसरों के साथ कोई खाने की चीज साझा करने से पहले अपने हाथ जरूर धो लेने चाहिए।

दूसरों का सम्मान करें: कभी-कभी ग्रुप टूर के दौरान हमारे साथ दूसरी संस्कृति, परंपरा और भाषा के लोग होते हैं। हमें सबसे प्रेम से पेश आना चाहिए, उनका सम्मान करना चाहिए। हमें दूसरों के साथ बातचीत करते हुए उनकी जरूरतों को पूरा करने का भी हर संभव प्रयास करना चाहिए।

खान-पान का ध्यान रखें: यात्रा के दौरान हमें अपने खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। हमें स्वच्छ-स्वस्थ भोजन करना चाहिए। दूसरों के साथ भोजन साझा करने से पहले यह जान लेना चाहिए कि वे ऐसा चाहते भी हैं या नहीं? हमें साथ में खाना खाते समय शिष्टता का पूरा ध्यान रखना चाहिए। अकेले में खामोशी से नहीं, एक-दूसरे से बातचीत करते हुए लंच या डिनर करना चाहिए।

अपने सामान का खुद रखें ध्यान: ग्रुप टूर के समय साथ में बहुत से लोग होते हैं, ऐसे में हमें अपने सामान का ध्यान रखना चाहिए, उसे सुरक्षित रखना चाहिए। साथ ही हमें दूसरे जगह पर निकलने से पहले अपने सामान को सही तरीके से पैक करना चाहिए। यात्रा के दौरान साथी यात्रियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

किसी भी सहयात्री को न हो परेशानी: ग्रुप टूर करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आपके कारण किसी को कोई तकलीफ-परेशानी नहीं हो। आप शिष्टाचार का पालन करके, सबके साथ अपना स्नेह-प्रेम भरा व्यवहार करके अपनी जर्नी को सुखद और यादगार बना सकती हैं। यात्रा के दौरान हमें अपने अनुभवों को साझा करना चाहिए, दूसरों के साथ अच्छे रिश्ते बनाने का प्रयास करना चाहिए। इससे आपकी यात्रा मीठी यादों से भर उठेगी।

महिलाओं में पीसीओडी समस्या हार्मोनल डिसऑर्डर की वजह से होती है। ऐसा किन वजहों से होता है, पीसीओडी के मुख्य लक्षण क्या हैं, इससे बचाव और उपचार के तरीके के बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल से बढ़ती है पीसीओडी की प्रॉब्लम

मेडिकल एडवाइस
डॉ. श्वेता मेंदिरत्ता
एचओडी-ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी
मैरिंगो एशिया अस्पताल, एनसीआर

पीसीओडी की प्रॉब्लम को पॉलीसिस्टिक ओवरी डिसऑर्डर कहते हैं। यह एक हार्मोनल डिसऑर्डर है। यह प्रॉब्लम 15 से 45 साल की उम्र तक की महिलाओं में किसी भी उम्र में हो सकती है। लेकिन जब प्यूबर्टी के बाद मेनार्की स्टेज यानी जब उन्हें पीरियड्स शुरू होते हैं, उस समय ज्यादा देखने को मिलता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में तकरीबन 20-25 प्रतिशत महिलाओं को पीसीओडी की प्रॉब्लम है।

कैसे होती है यह प्रॉब्लम: जब महिलाओं के शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं तो पीसीओडी की प्रॉब्लम देखने को मिलती है। कहने का मतलब है कि उनके शरीर में फीमेल हार्मोंस एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के बजाय मेल हार्मोंस टेस्टोस्टेरोन और एंड्रोजन का लेवल बढ़ जाता है। इससे उनकी ओवरी से हर महीने रिलीज होने वाले अंडे की प्रक्रिया गड़बड़ा जाती है। पूरी तरह मैच्योर न होने के कारण अंडे का ओवोल्यूशन नहीं हो पाता। इससे महिला का पीरियड साइकल अनियमित हो जाता है। अपरिपक्व अंडे ओवरी में छोटे-छोटे सिस्ट के रूप में बदल

जाते हैं, जिसकी वजह से महिला को कई तरह की प्रॉब्लम्स फेस करनी पड़ती हैं।

पीसीओडी के प्रमुख लक्षण: पीसीओडी को आप कुछ लक्षणों से पहचान सकती हैं, जैसे- पीरियड्स समय पर न आना, चेहरे पर अनचाहे बाल आना, सिर के बाल झड़ना, पिंपल्स होना, वजन बढ़ना और मूड स्विंग होना। आगे चलकर महिला में एनोव्यूलेशन की प्रॉब्लम हो सकती है, जिससे गर्भधारण में समस्या या इंफर्टिलिटी का खतरा भी हो सकता है। यहां बताए गए लक्षण दिखने पर आपको जल्द से जल्द स्त्री रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए।

पीसीओडी होने के कारण:
- अनियमित दिनचर्या, समय पर खाना न खाना, देर से सोना।
- रेग्युलर एक्सरसाइज न करना।
- जंक फूड या प्रोसेस्ड फूड, ऑयली डाइट का ज्यादा सेवन।
- रूटीन लाइफ में स्ट्रेस में रहना।

ऐसे होता है डायग्नोज: आमतौर पर महिला के फिजिकल चेकअप से ही डॉक्टर पीसीओडी को डायग्नोज कर लेते हैं। ओवरी सिस्ट की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड और हार्मोन लेवल का पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट किए जाते हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: पीसीओडी की समस्या को बढ़ने से रोकने के लिए मुख्य रूप से

प्रिवेंटिव केयर स्ट्रेटजी यानी लाइफस्टाइल में बदलाव पर जोर दिया जाता है। महिला को सख्ती से हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने, संतुलित-पोषक आहार का सेवन करने और वजन कंट्रोल करने की हिदायत दी जाती है। मरीज की स्थिति के हिसाब से नॉन-हार्मोनल दवाइयां दी जाती हैं, सुधार न आने पर हार्मोनल दवाइयों का कोर्स भी दिया जाता है।

बचाव है संभव: इन बातों पर करें अमल-
- पौष्टिक तत्वों से भरपूर संतुलित और सुपाचय आहार लें, जिसमें कार्बोहाइड्रेट और वसा के अलावा पर्याप्त मात्रा में फाइबर, विटामिंस और प्रोटीन हो।
- रिफाइंड खाद्य पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक, पैक्ड जूस जैसी हाई शुगर ड्रिंक्स, ऑयली, प्रोसेस्ड और जंक फूड को खाने से बचें।
- फल, सब्जियां, दालें, अंकुरित अनाज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मल्टीग्रेन और सूखे मेवों को आहार में शामिल करें।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी कुरुक्षेत्र में 9 से 11 मार्च तक, किसानों को मिलेगा लाभ

खास बातें

- पशुधन प्रदर्शनी में पशुपालकों एवं पशुओं के लिए खाना, पशुचारा एवं ठहरने की व्यवस्था रहेगी एकदम नि :शुल्क
- जो पशुपालक अपने पशुओं के साथ भाग लेगा, उन्हें कराना होगा पंजीकरण, ट्रांसपोर्ट सुविधा के लिए मिलेगा

नारनौल। पशुधन।

राजकुमार ▶▶ नारनौल

पशुपालन विभाग की ओर से इस बार 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन कुरुक्षेत्र में किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 9 से 11 मार्च तक चलेगी। प्रदर्शनी का प्रतिदिन समय प्रातः 10 बजे से सायं 3:30 बजे तक रहेगा, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से पशु मालिक अपने-अपने पशुधन के साथ मेले में भाग ले सकेंगे, लेकिन पहले उन्हें पशुपालन विभाग के पास जाकर अपने पशु का पंजीकरण करवाना होगा। प्रदर्शनी आमजन के लिए भी खुली रहेगी तथा उन्हें गांव व शहर से कुरुक्षेत्र के कुरुक्षेत्र डवलपमेंट बोर्ड मेला प्रांगण तक आने–जाने के लिए हरियाणा रोडवेज की 150 बसें विभिन्न रूटों के लिए तैयार रहेंगी।

गौर हो कि पिछले साल 40वीं पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन महेंद्रगढ़ जिले के गांव जांट-पाली स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा में किया गया था। इस बार वही कार्यक्रम धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में होगा। इस बाबत पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग के डायरेक्टर जनरल (डीजी) ने प्रदेश के सभी जिलों के डिप्टी डायरेक्टरों व अन्य अधिकारियों को लिखित दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। यह आयोजन कुरुक्षेत्र के कुरुक्षेत्र डवलपमेंट बोर्ड प्रांगण में आयोजित होगा। उन्होंने जिला स्तर के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं कि वे अपने यहां से अधिकाधिक विशेष गुणवत्ता वाले पशुओं का प्रदर्शनी में भाग लेना सुनिश्चित करें।

पशुधन ले जाने पर मिलेगा किराया

इस प्रदर्शनी में जो पशुपालक अपने पशु के साथ भाग लेगा, उन्हें ट्रांसपोर्ट का किराया भी प्रदान किया जाएगा। इसके लिए पशुपालन विभाग की ओर से प्रदर्शनी स्थल से 50 किलोमीटर दूरी पर एक हजार, 51-100 किलोमीटर दूरी पर 1500 रुपये, 101-150 किलोमीटर दूरी पर 2000 रुपये 151-200 किलोमीटर पर 2500 रुपये तथा 200 किलोमीटर से अधिक दूरी पर 3000 रुपये ट्रांसपोर्ट का पशुओं की प्रति यूनिट के हिसाब से प्रदान किया जाएगा। यह बड़े पशुओं के लिए होगा। यदि कोई पशुपालक भेड़-बकरियों के साथ प्रदर्शनी में भाग लेता है तो उसको भी एक बड़े पशु की भांति यूनिट बनाकर ट्रांसपोर्ट चार्ज प्रदान किया जाएगा। विजेता पशु के मालिक को सरकार उचित ईनाम देकर सम्मानित भी करेगी।

पशुचारा एवं रहना होगा फ्री:

पशुधन प्रदर्शनी में जो पशुपालक अपने पशुधन के साथ प्रदर्शनी में भाग लेगा, उसके पशु को हरा चारा, सूखा चारा एवं पीने का पानी तथा ठहरने की जगह बिल्कुल फ्री प्रदान की जाएगी। पशुपालक को भी प्रदर्शनी में खाने एवं ठहरने की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाएगी। पशुपालक को 8 मार्च सायं 4 बजे से पहले प्रदर्शनी स्थल पर उपस्थिति दर्ज करानी होगी। पशुपालक को अपने पशुधन को गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण होना अनिवार्य किया गया है।

पशुपालक को रखने होंगे ये दस्तावेज:

पशुधन प्रदर्शनी में भाग लेने वाले पशुपालकों को अपना आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक कॉपी अथवा कैंसिल चेक तथा परिवार पहचान पत्र की कॉपी अपने साथ रखना अनिवार्य किया गया है।

प्रदर्शनी के लिए प्रतिदिन चलेंगी 150 बसें:

प्रदेश के पशुपालक ही नहीं, किसान, युवा एवं महिलाएं भी इस प्रदर्शनी में निःशुल्क भाग ले सकेंगे। उन्हें प्रदर्शनी स्थल तक हरियाणा रोडवेज की 150 बसें प्रतिदिन निःशुल्क यात्रा उपलब्ध करवाएंगी।

यह कहते हैं अधिकारी:

वेटनरी सर्जन डा. जगबीर सिंह ने बताया कि डीडीए डा. चंद्रभान सोनी के कुशल मार्ग–दर्शन में पशुधन प्रदर्शनी की तैयारियां की जा रही हैं। पशुपालकों को अपने बेहतरीन नस्ल के पशुधन के साथ प्रदर्शनी में ले जाया जाएगा। इसके लिए पशुपालक को पहले विभाग के पास पंजीकरण कराना होगा। विजेता पशुधन को सरकार की तरफ से ईनाम देकर पशुपालकों को सम्मानित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में आमजन भी भाग ले सकेंगे और उन्हें रोडवेज बसों की सुविधा प्रदान की जाएगी।

खबर संक्षेप

दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता कल से

नारनौल। 26 फरवरी से गांव कारोली में दो दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के संयोजक अन्तरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता टीम को 71 हजार रुपये की नगद राशि व ट्राफी, वही उप विजेता टीम को 51 हजार व स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन समालखा के विधायक मनमोहन सिंह भडाना द्वारा किया जाएगा, जबकि समापन राजस्थान के मंत्र प्रेम सिंह बाजौर द्वारा किया जाएगा।

सालासर गए थे, वापस लौटे तो दीवार से कुदते दिखे अज्ञात

नारनौल। शहर में दयानगर के एक मकान में चोरी की वारदात होते होते बच गई। दरअसल, मकान में रहने वाला परिवार सालासर धाम में दर्शन करने गए थे। वहां से लौटे तो रात को मकान की दीवार से दो संदिग्ध कुदते नजर आए। पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर मौके पर फिंगर प्रिंट लिफ्टर ने मौका घटनास्थल पर बुलाया गया। वीडियोग्राफी भी करवाई गई। मौके पर बाइक को पुलिस ने कब्जे में लिया है। वहीं मकान पर लोहे की राड व ताला तोड़ने का अन्य सामान भी मिला है। अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 305,331(4),62 के तहत केस दर्ज किया है। दयानगर वासी अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि रविवार को वह परिवार सहित मकान पर ताला लगाकर घूमने के लिए सालासर गए हुए थे।

नांगल चौधरी में खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को किया पुरस्कृत

वाद विवाद प्रतियोगिता में छठी की गीतांजलि व सातवीं की जसलीन कस्तूरबा गांधी विद्यालय नियामतपुर की प्रथम स्थान पर रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। विजेता छात्रा को सम्मानित करती बीईओ सुनीता यादव। फोटो: हरिभूमि

बच्चों के कौशल को विकसित करने के लिएए शिक्षा विभाग राजकीय विद्यालयों में समग्र शिक्षा के अंतर्गत रीडिंग प्रमोशन मंथ का आयोजन करता है। इस मास में बच्चों के पठन कौशल को विकसित करने वाले कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को खंड नांगल चौधरी के खंड कार्यालय में विभिन्न खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की नांगल चौधरी खंड की नोडल अधिकारी बीआरपी सुमित्रा यादव ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत वाद विवाद, वर्तनी, कहानी लेखन, कविता लेखन, स्पेल बी तथा टेंस क्विज की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

उन्होंने बताया कि खंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जिला स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीईओ सुनीता यादव ने कहा कि प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आता है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

उन्होंने प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया तथा बच्चों को आगे भी इस तरह की प्रतियोगिताओ में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ये रहे प्रतियोगिताओं के परिणाम

प्रतियोगिताओं के परिणाम में वाद विवाद प्रतियोगिता में छठी की गीतांजलि व सातवीं की जसलीन कस्तूरबा गांधी विद्यालय नियामतपुर प्रथम, आठवीं में पीएमश्री नांगल चौधरी की पूजा प्रथम रही। वर्तनी में छठी कक्षा में तमन्ना व सातवीं में सरिता कस्तूरबा गांधी नियामतपुर विद्यालय, आठवीं कक्षा में पलक कमानिया विद्यालय से प्रथम रही। स्पेल बी में कक्षा छठी में नचिता, सातवीं में साक्षी तथा आठवीं में गरिमा कस्तूरबा गांधी विद्यालय नियामतपुर की छात्राएं प्रथम रही। इसी प्रकार कहानी लेखन में कक्षा छठी में कस्तूरबा गांधी की मोनिका, कक्षा सातवीं में नांगल नूनिया का दिव्यांश, कक्षा आठवीं में कस्तूरबा गांधी नियामतपुर की साक्षी प्रथम रही। इसी प्रकार कक्षा नौवीं से 12वीं कहानी लेखन में कक्षा 12में पीएमश्री नांगल चौधरी की सोनम, कक्षा 10 में बनिहाड़ी की महिमा व कक्षा नौ में भुंगारका की नंदिनी प्रथम रही। टेंस क्विज में कक्षा 12 में नायन की नीतू, कक्षा 11में पीएमश्री नांगल चौधरी की आरती, कक्षा 10वीं में गांवड़ी जाट का अरमान प्रथम रहा। कविता लेखन में कक्षा 10 में गांवड़ी जाट की प्रीति, कक्षा नौ में पीएमश्री नांगल चौधरी की चित्रा प्रथम रही। वहीं वाद विवाद में पीएमश्री नांगल चौधरी की निशु प्रथम रही।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक बीआरपी सुमित्रा यादव, निर्णायक मंडल में वरिष्ठ प्रवक्ता डा. पंकज गौड़, स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डा. जितेन्द्र भारद्वाज, दीपक कुमार, सरोज यादव, डा. महिपाल, बृजेश, अभय सिंह, पवन कुमार, शालिनी, दिनेश कुमार, दीपचंद, मंदीप, ईश्वर, नरदेव, मंजू, राजेंद्र सिंह, सुदेश, नरेश कुमार, मुकेश दहिया, एबीआरसी विनय सिंह, महेश कुमार, रीना, प्रियंका, सुरेन्द्र, सुनील, ज्योति, विक्रम सिंह, राजेन्द्र कुमार, राकेश आदि मौजूद थे।

यदुवंशी कॉलेज के 5 छात्रों ने यूनिवर्सिटी की टॉप-10 सूची पर किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा कला संकाय के तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी कॉलेज की कला संकाय के पांच विद्यार्थियों विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची में स्थान हासिल किया। जिसमें आशा पुत्री विक्रम सिंह ने 88 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम, किरण पुत्री अशोक ने 87.5 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा, हर्षिता पुत्री रविंद्र कुमार ने 86.2 लेकर पांचवा, शिवाती पुत्री और सुनील कुमार ने 85.5 प्रतिशत अंक लेकर सातवां स्थान तो वहीं सिल्विस पुत्री विकास कुमार ने 85 लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान हासिल किया। इन विद्यार्थियों ने यह मुकाम हासिल करके न केवल अपना बल्कि अपने माता-पिता के साथ-साथ कॉलेज व क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। संस्था चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कला संकाय के सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव ने भी परीक्षा में सफलता पाने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामना दी। संस्था डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने कला संकाय के सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कला संकाय के लिए यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, उनकी प्रतिभा का प्रमाण है। फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्रिंसिपल बबरूभान व समस्त स्टाफ ने भी सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्रीकृष्ण स्कूल में क्विज प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में कक्षा तीसरी से पांचवीं तक इंटर हाउस एसएस, हिन्दी व अंग्रेजी विषयों की क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता फाल्कन हाउस रहा। प्राईमरी हैड उमा यादव ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। स्कूल के स्टाफ सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में फाल्कन, ईगल, कैस्ट्रल व हॉक हाउस ने एक टीम के रूप में भाग लेकर अपने अपने हाउस का नेतृत्व किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को उनके जीवन में आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए कौशल व वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना है। जिससे बच्चों में ऐसी आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है कि वह ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी विजय पताका फहरा सकते हैं। प्रतियोगिता का संचालन अध्यापक मोहित यादव व विजय कुमार ने किया। स्कोरर की भूमिका अध्यापिका नीतु यादव ने निभाई। प्रतियोगिता में 350 प्वाइंट लेकर फाल्कन हाउस ने विजय प्राप्त की।

प्रतियोगिता में सुषमा लंबोरा, सुमन यादव, आशु यादव व आशा वर्मा आदि हाउस के संयोजक के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर अध्यापिका मनीता यादव सहित समस्त स्टाफ मौजूद था।

सीएल स्कूल में मेला आयोजित

- कप्रयागराज महाकुंभ मेले की प्रतिकृति का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे।

नारनौल। सीएल पब्लिक स्कूल में विद्यालय के निदेशक अमित गुप्ता, प्राचार्य रवीन्द्र सिंह व मुख्याध्यापिका मोनिका कौशल की उपस्थिति में प्रयागराज महाकुंभ मेले की प्रतिकृति का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता निदेशक के माता पिता राजरानी गुप्ता व इंद्रजीत गुप्ता ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्तिवाचन, मांगलिक श्लोक व अधिष्ठात्री शक्ति की आराधना से किया। जिसमें बच्चों ने गंगा, यमुना व सरस्वती त्रिवेणी घाट पर स्नान किया, साथ ही अघोरी अखाड़ा, साध्वी अखाड़ा, संन्यासी अखाड़ा, अयोध्या नगरी, वैष्णो देवी भवन, शेषनाग नगरी की झांकियां व बरसाने की होली की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अमित गुप्ता ने बताया कि महाकुंभ हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक एकता का प्रतीक है, जो भारत में प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन व नासिक नामक चार स्थानों पर आयोजित होता है। वर्तमान महाकुंभ 144 वर्षों के बाद सूर्य, चन्द्रमा व बृहस्पति के एक सीध में आने के कारण विशेष महत्व रखता है। जिसमें विभिन्न धर्मों के असंख्य लोग नित्य स्नान करते हैं।

विद्यालय में इस प्रकार के आयोजन का लक्ष्य देश की भावी पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित करवाना है।

पाकिस्तान व चीन अधिकृत जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख पर जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए। फोटो: हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख अध्ययन केंद्र के सहयोग से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाकिस्तान और चीन अधिकृत जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के क्षेत्रों के ऐतिहासिक, भौगोलिक और राजनीतिक महत्व से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय संरक्षक महेंद्र सिंह द्वारा की गई। इस दौरान विद्यार्थियों को डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से पाकिस्तान और चीन अधिकृत लद्दाख के क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने अपने संबोधन में 22 फरवरी 1994 को भारत की संसद में पारित किए गए उस प्रस्ताव की जानकारी दी, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख को भारत का अभिन्न अंग बताया गया था और इसे पुनः प्राप्त करने के लिए संकल्प लिया गया था। उन्होंने विद्यार्थियों को इस ऐतिहासिक तथ्य से अवगत कराते हुए राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता के प्रति जागरूक किया। प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने विद्यार्थियों को सही विषयों का चयन कर डॉक्यूमेंट्री निर्माण करने की प्रक्रिया से अवगत कराया।

बीआर ज्ञानदीप स्कूल में छात्रों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। परीक्षा देने आए विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। प्राचार्य रामवीर यादव ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन की ओर से निर्धारित रिक्त सीटों को भरने के लिए इस परीक्षा का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि निर्धारित रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करने के लिए परीक्षा आयोजित की गई, जिसके लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित हुए। निर्धारित रिक्त सीटों पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला प्रदान किया जाएगा, जिसमें प्रतिभावान छात्र अच्छे अंकों के आधार पर पूर्णतया ट्यूशन फीस में छूट प्राप्त कर सकता है। परीक्षा का आयोजन कक्षा दूसरी से कक्षा 11वीं तक किया गया था। जिसमें आसपास के गांवों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यार्थियों को निःशुल्क परिवहन की सुविधा प्रदान की गई थी। यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित थी, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित किया गया था। परीक्षा को तीन चरणों में सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस परीक्षा के परिणाम की सूचना एसएमएस या फोन के माध्यम से दी जाएगी। विद्यालय संस्थापक रामसिंह यादव ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से प्रतिभावान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी।

माई छोटा स्कूल के वार्षिक उत्सव में मेधावियों का किया सम्मान

वार्षिक उत्सव में नन्हें बच्चों ने दिखाई गजब प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

शहर के मोतीनगर में स्थित माई छोटा स्कूल का वार्षिक उत्सव मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर रिटायर्ड डिस्ट्रिक सेशन जज राकेश कुमार यादव मौजूद रहे। विशेष अतिथि के तौर पर नोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवलावास के संचालक डॉ. संदीप नेहरा, रिटायर्ड डीसीडब्ल्यू विपिन शर्मा, रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान संजय गर्ग, राष्ट्रपति अवॉर्डी रोशनी देवी, हरियाणा पुलिस इंस्पेक्टर शारदा देवी, सामाजिक कार्यकर्ता आशा सिंह, पीजी कॉलेज से प्रोफेसर संतोष यादव, डालमिया विद्या मंदिर चिड़ावा के वाइस प्रिंसिपल डा. एमआर वर्मा, साइंटिस्ट डॉक्टर महेश शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम लता की उपस्थित रही।

इस वार्षिक उत्सव की शुरुआत मुख्य अतिथि राकेश कुमार यादव ने विद्यालय की प्रधानाचार्या रेखा वर्मा व निदेशक दीपक वर्मा के साथ दीप प्रज्वलित करके कार्य का शुभारंभ किया। निदेशक दीपक वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भविष्य की योजनाओं की चर्चा की। छात्रों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। रंगारंग कार्यक्रम में नृत्य, संगीत और नाटकों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही छात्रों की प्रतिभा और रचनात्मकता को सामने लाया गया। वहीं डॉ. संदीप नेहरा ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों को अपने हुनर को दिखाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का मौका देते हैं। उन्होंने मेधावी छात्रों को पुरस्कृत भी किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन विद्यालय की प्रधानाचार्या रेखा वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। निदेशक दीपक वर्मा ने भी इस वार्षिक उत्सव पर सभी शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और भविष्य में और भी शानदार कार्यक्रमों का आयोजन करने का संकल्प लिया। इस मौके स्कूल स्टाफ मनीषा यादव, शीतल शर्मा, रजनी सैनी, निशा सरिता, पूनम सुरेंद्र, गगनदीप, कृष्ण यादव आदि मौजूद रहे।

यदुवंशी कॉलेज की छात्रा सपना राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

छात्रा सपना

यदुवंशी डिग्री कॉलेज बीएससी कैमिस्ट्री ऑनर्स तृतीय वर्ष की छात्रा सपना पुत्री उम्मेद ने आदर्श गर्ल्स कॉलेज खानपुर कलां सोनीपत में ऑनलाइन राज्य स्तरीय कैमिस्ट्री क्यूज कॉम्पिटिशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सपना ने मीडिया से वार्तालाप करते हुए बताया कि चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने जिस तरीके से शैक्षणिक गतिविधियों में सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई है, उसी का यह एक परिणाम है कि लगातार प्रत्येक क्षेत्र में हम सब श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देते आ रहे हैं। संस्था डायरेक्टर सुरेश यादव, डा. प्रदीप यादव ने बताया कि यह अभिवावकों के विश्वास का ही परिणाम है कि हम प्रत्येक क्षेत्र में विद्यार्थियों को श्रेष्ठ रिजल्ट दिला रहे हैं। प्राचार्य बजरंग लाल व उप प्राचार्या सोनल यादव ने छात्रा को आशीर्वाद प्रदान करते हुए बताया कि अभिभावक अपने बच्चों के साथ जिस तरीके से हमसे जुड़े हुए हैं, उसी का परिणाम है कि यह रिजल्ट्स एक से बढ़कर एक प्रस्तुत कर पा रहे हैं। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि राज्य को हम प्रत्येक स्तर पर आगे ले जाना चाहते हैं। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के साथ जो भी विद्यार्थी अन्य गतिविधियों में भी श्रेष्ठ स्तर पर रहते हैं उनके लिए हम सम्मान समारोह का आयोजन करते है।

सूचना

मैं, उमेद सिंह पुत्र श्री अडिसाल सिंह निवासी गांव जाट, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ (हरि.) बयान करता हूं कि मेरी पुत्री पूजा मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पीएम ने डीबीटी के जरिए जिले के 92714 किसानों के खाते में डाले 18.54 करोड़ से अधिक रुपये

किसान सम्मान

- जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह आयोजित
- सीएम नायब सिंह सैनी ने वर्चुअल माध्यम से किसानों को संबोधित किया
- सरकार ने किसान कल्याण के लिए योजनाएं चलाई : धर्मबीर

नारनौल। किसान सम्मान समारोह में किसानों को संबोधित करते सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह तथा समारोह में पीएम का संबोधन सुनते सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह व विधायक ओमप्रकाश यादव। फोटो : हरिभूमि

विधायक ने प्राकृतिक खेती का आह्वान किया

इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों को वैश्विक बाजार में उतार चढ़ाव के बावजूद सस्ती दाम पर डीएपी खाद दी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती शुरू करने का आह्वान किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से कृषि अधिकारियों ने किसानों को केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर किसानों को प्राकृतिक व ऑर्गेनिक फार्मिंग के बारे में भी जानकारी दी गई। वहीं डा. मनमीत ने किसानों को नई कृषि तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खाद और आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी विस्तार के साथ दी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक तौर पर मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाएं तथा कार्यक्रम चला रही है। यह किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सांसद सोमवार को पंचायत भवन में जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के भागलपुर में राष्ट्रीय स्तर पर किसानों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त सीधे किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से जारी की। वहीं दूसरी ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी झज्जर के राजकीय नेहरू पीजी कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर अपना संदेश दिया। पीएम ने जिला महेंद्रगढ़ के 92714 किसानों के खाते में 19वीं किस्त के तौर पर डीबीटी के जरिए 18 करोड़ 54 लाख 28 हजार रुपये की राशि डाली। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित है। केंद्र व हरियाणा सरकार ने किसानों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड योजना, ई नाम नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट, भावांतर भरपाई योजना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जहां किसान को प्रतिवर्ष छः हजार रुपये दे रही है। वहीं दो लाख करोड़ से ज्यादा हर वर्ष डीएपी यूरिया व अन्य खाद पर सब्सिडी भी खाद को खरीदने के लिए सरकार देती है, ताकि किसान को खाद खरीदने के लिए पूरी राशि न देनी पड़ी। सांसद ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले बाजरे व सरसों के दाम काफी कम थे। आज सरकार किसानों को फसल का सही दाम देने के लिए एमएसपी पर फसल खरीद रही है। इस मौके पर उपायुक्त डा. विवेक भारती, एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा, बीजेपी के जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, सीटीएम मंजीत कुमार, डीडीए डा. देवेंद्र सिंह बाजवा, डा. हरपाल सिंह के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

भुंगारका की रचना ने पाई नेट में सफलता

नारनौल। भुंगारका गांव निवासी रचना भारद्वाज पत्नी कमलकांत भारद्वाज ने यूजीसी नेट की परीक्षा हिंदी विषय में उत्तीर्ण की। इस अवसर पर परिवारजनों व ग्रामवासियों ने उनको बधाई दी। रचना भारद्वाज ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पति व परिवार को दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एमए करने के बाद गृहिणी रहते हुए उन्होंने इस परीक्षा को उत्तीर्ण किया है।

दौंगड़ा अहीर के ईश्वर ठेकेदार का निधन

मंडी अटेली। दौंगड़ा अहीर के समाजसेवी ईश्वर सिंह ठेकेदार का सोमवार सुबह हार्टअटैक आने से आकस्मिक निधन हो गया। वह लगभग 81 वर्ष के थे। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिवार में तीन बेटे और एक बेटी है। उनका अंतिम संस्कार गांव के श्मशान घाट किया गया।

सिहमा में क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

मंडी अटेली। बाबा खेतानाथ जन सेवा फाउंडेशन के द्वारा प्रथम वार्षिक क्रिकेट प्रतियोगिता 25 फरवरी से राजीव गांधी खेल स्टेडियम सिहमा में शुरू हो रही है। जानकारी देते हुए संदीप यादव ने बताया कि इस क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ सिहमा मंदिर के महंत एतवार नाथ करेंगे। प्रतियोगिता ब्लाक में ऐतिहासिक होगी।

डीएमसी के आदेशों का असर धीमा

अतिक्रमण हटाने के नाम पर खानापूर्ति कर रही टीम

एक सप्ताह से शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रहा है, केवल एक दिन हीं नपा ने अतिक्रमणरियों पर बरती थी सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका टीम शहर में अतिक्रमण हटाने के नाम पर खानापूर्ति कर रही है। अभियान के दौरान नपा के कर्मचारी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्ती नहीं बरत पा रहे हैं। नपा की टीम से बाजार जाते ही शहर की सड़कों पर दोबारा से अतिक्रमण दिखाई देने लगता है। करीब एक सप्ताह पहले डीएमसी की ओर से अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेशों का कर्मचारियों पर कोई असर पर नहीं दिख रहा है।

दो दिन शांत रहने के बाद नगर पालिका प्रशासन ने सोमवार को भी बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। नगर पालिका की ओर से बाजार में दुकानदारों द्वारा रोड पर किए हुए कब्जे को हटाया गया। टीम ने रोड पर रखे फ्लैक्स आदि को उठाकर पालिका वाहन में डाला। इसके अलावा रोड पर रखी साईकिल, मेज, स्टूल आदि को अपने कब्जे में लिया। अभियान का नेतृत्व दरोगा राजेंद्र कुमार, सुमित उर्फ रिंकू व अनिल की देखरेख में चलाया गया। अभियान के दौरान पालिका कर्मचारियों ने शहर के मेन बाजारों में रोड पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के सामान को उठाकर पालिका वाहनों में डाल लिया। पालिका की इस कार्रवाई को देखकर अन्य व्यापारियों ने पहले ही अपना रोड पर रखा सामान समेटकर दुकानों के अंदर कर लिया। टीम ने सोमवार को नगर पालिका कार्यालय से शुरू होकर शंकर मार्केट, बालाजी चौक, सीएसडी कैंटीन, यादव धर्मशाला, बस स्टैंड रोड, राव तुलाराम चौक, आईटीआई रोड सहित अन्य प्रमुख बाजारों में अभियान चलाया गया।

बता दें कि शहर के अंदरूनी हिस्से की यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। सड़कों पर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों द्वारा आधी से ज्यादा सड़क पर सामान रख दिया जाता है। बाकि सड़क पर दुकानदार और ग्राहकों के वाहन खड़े हो जाते हैं। ऐसे में राहगीरों और वाहन चालकों के हिस्से बमुश्किल एक चौथाई सड़क ही आती है। अभियान के दौरान पालिका कर्मचारियों ने शहर के मेन बाजारों में रोड पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के सामान को उठाकर पालिका वाहनों में डाल लिया। पालिका की इस कार्रवाई को देखकर अन्य व्यापारियों ने पहले ही अपना रोड पर रखा सामान समेटकर दुकानों के अंदर कर लिया। दुकानदारों द्वारा रोड पर सामान होने के कारण हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे आमजन के साथ-साथ वाहन चालक भी बुरी तरह से परेशान है। इतना ही नहीं, कुछ लोग द्वारा अपने प्रतिष्ठानों के आगे रेहड़ियां लगवाकर उनसे किराया भी वसूलने की शिकायतें भी पालिका को मिल रही है। रेहड़ियां आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रही है। पालिका अधिकारियों के अनुसार शहर के मेन बाजारों में जाम की स्थिति से निपटने व शहर के सौंदर्यीकरण के लिए शहर को अतिक्रमण मुक्त आवश्यक है। इस कार्य में आमजन का सहयोग भी जरूरी हैं। नगर पालिका कर्मचारियों ने रोड पर रखे मेज व साइन बोर्ड को अपने कब्जे लिया तथा चेतावनी दी कि अगर फिर से रोड पर सामान मिला तो ठोस कार्रवाई की जाएगी।

अनहद शक्ति फाउंडेशन ने श्रीमद्भागवत गीता महायज्ञ का भव्य आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज प्रवर्तक महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर अनहद शक्ति फाउंडेशन द्वारा फाउंडेशन की प्रमुख शैलजा यादव के नेतृत्व में श्रीमद्भागवत गीता महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस विराट यज्ञ में 4200 यज्ञमानों ने भाग लिया और इसे 330 किलोग्राम घी, 330 किलोग्राम हवन सामग्री तथा 14 क्विंटल पीपल व तुलसी की समिधाओं के साथ संपन्न किया गया। यह आयोजन आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक बना, जिसमें हवन के माध्यम से वायुमंडल को शुद्ध किया गया एवं पीपल व तुलसी जैसी औषधीय पौधों का प्रयोग कर प्रकृति के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। स्थानीय महिलाओं द्वारा निर्मित परिधानों एवं हस्तशिल्प उत्पादों का विशेष प्रदर्शन किया गया, जिससे ग्रामीण एवं पारंपरिक कारीगरों को प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम में यज्ञ पुरोहित अनहद शैलजा यादव ने श्रीमद्भगवद् गीता की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर गहन ज्ञान उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संघ चालक प्रताप सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्र को विकसित बनाने में संस्कारयुक्त बालकों का होना आवश्यक है।

महर्षि दयानंद सरस्वती सच्चे समाज सुधारक एवं क्रांति के अग्रदूत थे: श्री कृष्ण स्वरूप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। महर्षि दयानंद की जयंती पर हवन करते हुए।

राजस्थान के निकटवर्ती ग्राम जयसिंहपुरा में महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर 51 कुंडीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में महर्षि दयानन्द सरस्वती के समाज सुधार के कार्य एवं उनके बनाए गए नियमों के बारे में बताया। यज्ञ में गांव की सुख, समृद्धि एवं शांति के लिए आहुतियां दी गई। यज्ञ के ब्रह्मा श्रीकृष्ण स्वरूप महाराज आश्रम माजरी थे। उन्होंने कहा जिस प्रकार महर्षि दयानंद सरस्वती का जीवन दूसरों की सेवा में समर्पित था, उसी प्रकार हमारा जीवन भी दूसरों के लिए होना चाहिए। महर्षि दयानंद सरस्वती भारतीय क्रांति के अग्रदूत जननायक थे। मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा झुंझुनू जिला अध्यक्ष जयसिंह मांठ थे। उन्होंने कहा यज्ञ परोपकार का सबसे बड़ा साधन है इससे सब जीवों का उपकार होता है। यज्ञ से सभी युवाओं को जुड़ना चाहिए। यज्ञ के पुरोहित डॉ. नीलेश मुद्गल ने कहा यज्ञ से सभी देवता प्रसन्न होते हैं। ईश्वर निराकार होते हुए भी हमारे शुभ अशुभ कर्मों का फल देता है। यज्ञ के संयोजक पहलवान वीरेंद्र कुमार शास्त्री एवं बुहाना आर्यसमाज प्रधान वीरसेन शास्त्री थे। मंच संचालन विजय कुमार शास्त्री ने किया। इस अवसर पर सत्यनारायण ठेकेदार, जगदेव सिंह खरड़िया, हवलदार यादराम, रामनिवास, अध्यापक लालाराम जांगिड़, पिलानी आर्य समाज के प्रधान विनोद बदनगढिया, डॉ. सुरेश मौजूद रहे।

रेवाड़ी बीकानेर रेल लाइन की मरम्मत का काम तेज

कनीना। रेलपथ को दुरूस्त करने में जुटी मशीन।

कनीना। रेवाड़ी बीकानेर ब्रॉडगेज रेल लाइन पर रेल गाड़ियों गति में परिवर्तन लाने के लिए हाइडोलिक मशीनों से रेल के दुरूस्तीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। डीआरएम बीकानेर के अंतर्गत महेंद्रगढ़ से कनीना के मध्य करीब पांच मशीनें इस कार्य में जुटी हुई हैं, जो रेल लाइन की फिसप्लेट, सहतीर सहित लाइन के नीचे डाले गए रोड़े तक खंगाल रही हैं। जरूरत के मुताबिक पुराने पार्टस को बदली कर नये पार्ट इस्तेमाल किए जा रहे हैं। वहीं रेललाइन के रोड़े में उगी घास फूस को निकालकर रोड़े तक बदली किए जा रहे हैं। रेलवे लाइन का काम चलने के चलते एक्सप्रेस व पैसेंजर गाड़ियां भी धीमी गति से गुजर रही हैं। मौसम में आ रहे बदलाव को लेकर रेल लाइन की क्षमता में सुधार किया जा रहा है। जिसके दुरूस्त होने के बाद गाड़ियों की गति में इजाफा होगा।

कृषि विज्ञान केंद्र में 10 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। किसान को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त सोमवार को भागलपुर बिहार से जारी की। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र द्वारा 10 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एक केंद्र सरकार की योजना है, जिसे प्रधानमंत्री ने फरवरी 2019 में शुरू किया था। इस योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को उनके कृषि संबंधित खर्च के लिए छह हजार रुपये की वित्तीय सहायता हर वर्ष प्रदान की जाती है। अब तक इस योजना के अंतर्गत 18 किस्तों के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 3.46 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि वितरित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में इस योजना के लाभार्थी किसान व महिला किसान हैं। इसके अतिरिक्त केंद्र व हरियाणा सरकार के सहयोग से अन्य किसान हितैषी योजनाएं जैसे सॉयलहैल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य, किसान क्रेडिट कार्ड, एफपीओ, प्रति बूंद अधिक फसल, बागवानी के एकीकृत विकास मिशन आदि अनेक किसान हितैषी योजनाएं चल रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री किसान को सशक्त करने के बारे में सोचते हैं।

मॉडल स्कूल कनीना के छात्रों ने किया पॉलीटेक्निक का भ्रमण

नारनौल। विद्यार्थियों की पॉलीटेक्नीक की जानकारी देते टीचर। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। बाबा खेतानाथ राजकीय बहुतकनीकी शिक्षण संस्थान में गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल कनीना ने भ्रमण किया तथा विद्यार्थियों ने तकनीकी ज्ञान के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों ने पॉलिटेक्निक संस्थान के सभी लैब तथा वर्कशॉप में भ्रमण किया। सीनियर सेकेंडरी कनीना स्कूल के छात्रों तथा छात्राओं ने स्मार्ट क्लास और सेमी स्मार्ट क्लास रूम को देखा तथा अत्याधुनिक एजुकेशन सिस्टम के बारे में भी जाना। संस्थान के ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर अनिल यादव ने विद्यार्थियों को पॉलिटेक्निक कॉलेज के बारे में विस्तृत जानकारी दी और एडमिशन प्रक्रिया के बारे में संपूर्ण तरीके से अवगत करवाया। अंत में संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए तकनीकी ज्ञान की विशेषता के बारे में बताया और विद्यार्थियों से पॉलिटेक्निक भ्रमण के बारे में फीडबैक भी लिया। इस पूरी विजिट के दौरान के दौरान सिकंदर सिंह संस्थान के स्टाफ मेंबर्स गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी कनीना के स्टाफ सदस्यगण छात्र तथा छात्राएं मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। कर्मचारियों द्वारा सब्जी मंडी की गई सफाई। फोटो : हरिभूमि

शहर की सफाई व्यवस्था होगी दुरुस्त: एसडीएम

महेंद्रगढ़। शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एसडीएम अनिल कुमार यादव ने अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ शहर के भीड़ वाले क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शहर के सब्जी मंडी, बस स्टैंड इत्यादि स्थानों पर प्रतिदिन सफाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों की बैठक लेकर यह निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में सफाई व्यवस्था और नियमित कचरा उठाने को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को भी सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने कहा कि अधिकारी कचरे का उठान भी नियमित रूप से करवाएं, ताकि कचरे में आग लगाने संबंधी घटनाएं ना हो सकें। उन्होंने कहा कि कचरे में आग लगाने से इससे निकलने वाला धूंआ व गैस पर्यावरण को प्रदूषित करती हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक होती हैं। इससे आंखों व सांस संबंधी बीमारियां होने का खतरा बना रहता है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक स्थानों, ग्रीन बैल्ट, सड़कों के किनारों आदि पर किसी भी प्रकार का कचरा पड़ा हुआ ना हो। उन्होंने आमजन से भी आग्रह किया कि कचरे को अधिकृत स्थान पर ही डालें।

यूजीसी नेट जेआरएफ में भूपेंद्र ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

भूपेंद्र

गांव खातोद निवासी भूपेंद्र पुत्र राकेश ने दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रथम प्रयास में ही 99.6 पर्सेंटाइल के साथ यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण करके गांव का नाम रोशन किया हैं। उनकी इस उपलब्धि पर स्थानीय विधायक कंवर सिंह यादव, देवेंद्र प्रधान, नपा प्रधान रमेश सैनी, टेलर्स यूनियन प्रधान बृजलाल रोहिल्ला, दादा नौरंगसिंह, निहाल सिंह, एडीए नवीन कुमार एवं प्रवक्ता अमर सिंह सोनी सहित अनेक लोगों ने भूपेंद्र को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन ने शनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (जेआरएफ)की परीक्षा है। इस परीक्षा में पास होने वाले उम्मीदवारों को यूजीसी की तरफ से स्कॉलरशिप दी जाती हैं। साथ ही यह परीक्षा सरकारी नौकरी और कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए पात्रता हासिल करने का जरिया भी है। परीक्षा पास करके भूपेंद्र खातोद अपने माता-पिता का ही नाम रोशन नहीं किया है।

विधायक ओमप्रकाश यादव ने रिबन काटकर किया कैंप का शुभारंभ

चौधरी हरप्रसाद चैरिटेबल ट्रस्ट ने लगाया कैंप, 50 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते विधायक ओमप्रकाश यादव।

चौधरी हरप्रसाद चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से महता चौक के पास स्थित कुटुंब पैलेस में सोमवार रक्तदान कैंप आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ विधायक ओमप्रकाश यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर रिबन काटकर किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर आईटीआई प्रिंसिपल विनोद खनगवाल रहे। अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने की। इस कैंप में 50 यूनिट रक्तदान की एकत्रित की गई।

इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि चौधरी हर प्रसाद हमेशा से धार्मिक और सामाजिक कार्य में कार्य करते थे। उन्होंने आज से 50 साल पहले यह धर्मशाला चौधरी हर प्रसादजी के नाम से शुरू की थी। उनके कदम चिन्ह पर चलते हुए उनकी संतानों ने पुनः निर्माण कर भव्य कुटुम पैलेस भवन तैयार किया है, जोकि बहुत ही अच्छा कार्य किया। उन्होंने इस कार्य के लिए और रक्तदान कैंप के लिए चौधरी हरप्रसाद ट्रस्ट के परिवार हमेशा ही सामाजिक और धार्मिक कार्य में अग्रण रहता है। समय-समय पर यह बहुत ही सराहनीय काम करते रहते हैं। विशिष्ट अतिथि विनोद खंगवाल ने आईटीआई की तरफ से कार्यक्रम सफल बनाने में योगदान दिया। सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिव लगाना बहुत ही पुण्य का कार्य है। भाजपा जिला प्रधान दयाराम यादव ने कहा कि चौधरी

रक्त का कोई विकल्प नहीं

कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेश चौधरी ने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को साल में दो बार अवश्य रक्तदान करते रहना चाहिए। इससे किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती और बल्कि खून साफ हो जाता है। इसलिए स्वस्थ आदमी को रक्तदान करना चाहिए। कहा जाता है कि रक्तदान महादान है। साइंस ने इतनी तरक्की की है लेकिन रक्त का अभी तक कोई विकल्प नहीं तलाश पाए है। हम रक्त को किसी लैबोरेट्री में नहीं बना सकते। इस लगाए गए रक्तदान शिविर से अगर हम किसी पांच व्यक्ति की या एक व्यक्ति की जिंदगी भी बचा सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम कोई नहीं। श्रीराम नारायण चौधरी के बेटे जयप्रकाश चौधरी ने कैम्प में कहा कि हमें अपने पूर्वजों द्वारा प्रेरणा मिलती रहती है।

यह रहे मौजूद

इस शिविर में सोमदत्त चौधरी, सुरेश चौधरी, जयपरकाश चौधरी, राजकुमार चौधरी, नवनीत चौधरी, अमित चौधरी, नितिन चौधरी, अशोक चौधरी, देवेंद्र चौधरी, मोहित चौधरी, रामा चौधरी, गीतांजलि चौधरी के अलावा शहर के गणमान्य जन प्रमोद गर्ग, मुकेश जैन, जेपी सैनी, किशन चौधरी, सपना गुप्ता, अरुण नूनीवाला, सोनू बंसल, संजय अमन, डॉ आरके जांगड़ा, प्रवीण संघी, हितेश वर्मा, संजय गर्ग सहित अनेक लोग मौजूद रहे।